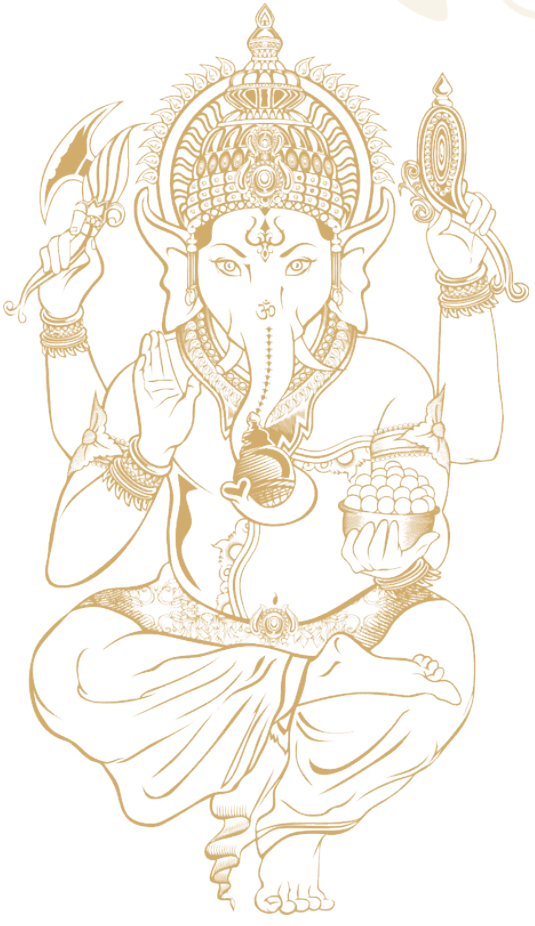

Yuvraj singh

16 Oct 1999

05:00 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121151303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15-16/10/1999**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	55:58:57 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:22:32 घंटे
वेलान्तर	00:14:05 घंटे
साम्पातिक काल	05:58:45 घंटे
सूर्योदय	06:36:25 घंटे
सूर्यास्त	18:10:05 घंटे
दिनमान	11:33:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:18:42 कन्या
लग्न के अंश	05:51:52 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:51:52	324:01:22	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कन्या	28:18:42	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	10:18:38	11:50:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	05:22:01	00:43:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध			तुला	20:59:20	01:16:48	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	07:07:37	00:07:57	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	12:45:25	00:51:16	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	21:31:13	00:04:14	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	15:59:11	00:02:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:59:11	00:02:24	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:02:04	00:00:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:44:19	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:46:49	00:01:45	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मिथु	05:51:30	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:00

लग्न-चलित

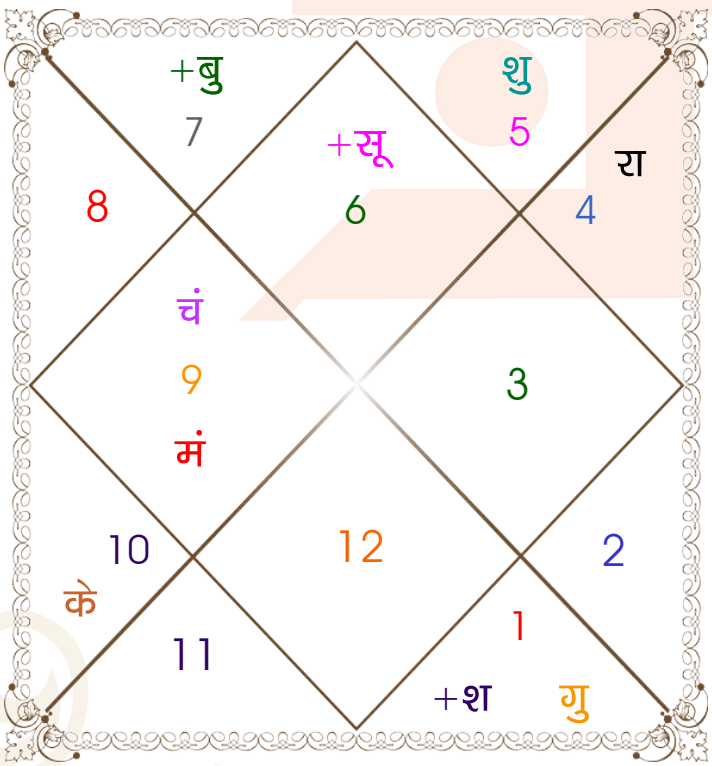

चन्द्र कुंडली

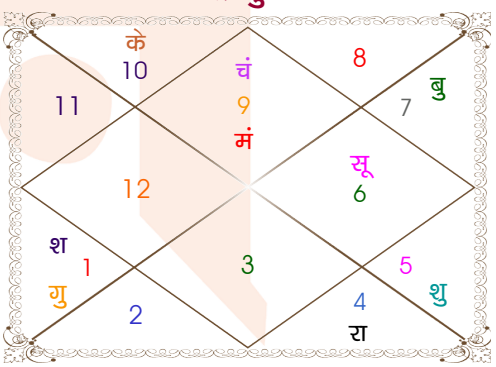

नवमांश कुंडली

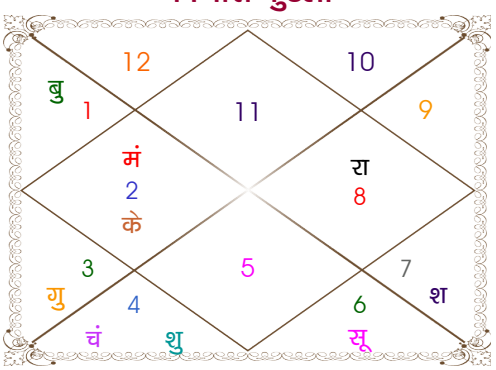

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/10/1999		17/05/2001		17/05/2021		18/05/2027		17/05/2037	
17/05/2001		17/05/2021		18/05/2027		17/05/2037		17/05/2044	
	00/00/0000	शुक्र	16/09/2004	सूर्य	04/09/2021	चंद्र	17/03/2028	मंगल	14/10/2037
	00/00/0000	सूर्य	16/09/2005	चंद्र	06/03/2022	मंगल	16/10/2028	राहु	01/11/2038
	00/00/0000	चंद्र	18/05/2007	मंगल	11/07/2022	राहु	17/04/2030	गुरु	08/10/2039
	00/00/0000	मंगल	17/07/2008	राहु	05/06/2023	गुरु	17/08/2031	शनि	16/11/2040
	00/00/0000	राहु	18/07/2011	गुरु	23/03/2024	शनि	17/03/2033	बुध	13/11/2041
	00/00/0000	गुरु	18/03/2014	शनि	05/03/2025	बुध	17/08/2034	केतु	11/04/2042
	16/10/1999	शनि	17/05/2017	बुध	10/01/2026	केतु	18/03/2035	शुक्र	11/06/2043
शनि	20/05/2000	बुध	17/03/2020	केतु	18/05/2026	शुक्र	16/11/2036	सूर्य	17/10/2043
बुध	17/05/2001	केतु	17/05/2021	शुक्र	18/05/2027	सूर्य	17/05/2037	चंद्र	17/05/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/05/2044		18/05/2062		18/05/2078		17/05/2097		19/05/2114	
18/05/2062		18/05/2078		17/05/2097		19/05/2114		00/00/0000	
राहु	28/01/2047	गुरु	05/07/2064	शनि	20/05/2081	बुध	14/10/2099	केतु	15/10/2114
गुरु	23/06/2049	शनि	16/01/2067	बुध	29/01/2084	केतु	11/10/2100	शुक्र	15/12/2115
शनि	29/04/2052	बुध	23/04/2069	केतु	08/03/2085	शुक्र	12/08/2103	सूर्य	21/04/2116
बुध	16/11/2054	केतु	30/03/2070	शुक्र	08/05/2088	सूर्य	18/06/2104	चंद्र	20/11/2116
केतु	05/12/2055	शुक्र	28/11/2072	सूर्य	20/04/2089	चंद्र	17/11/2105	मंगल	18/04/2117
शुक्र	04/12/2058	सूर्य	16/09/2073	चंद्र	19/11/2090	मंगल	14/11/2106	राहु	06/05/2118
सूर्य	29/10/2059	चंद्र	16/01/2075	मंगल	29/12/2091	राहु	03/06/2109	गुरु	12/04/2119
चंद्र	29/04/2061	मंगल	23/12/2075	राहु	04/11/2094	गुरु	08/09/2111	शनि	17/10/2119
मंगल	18/05/2062	राहु	18/05/2078	गुरु	17/05/2097	शनि	19/05/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 7 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।